बी.ए. तृतीय वर्ष,

हिन्दी साहित्य

प्रथम प्रश्न–पत्र : काव्य

पाठ्य पुस्तकें –

1. भक्ति काव्य सरिता – संपादक : डॉ. श्यामसुंदर दीक्षित

   प्रकाशक – राजस्थान प्रकाशन, त्रिपोलिया बाजार, जयपुर

2. नहुष – कवि मैथिलीशरण गुप्त

   प्रकाशक – नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दरियागंज, नई दिल्ली

पाठ्य विषय पाँच इकाइयों में विभक्त होगा।

इकाई – I

कबीर (4 से 8, 11 से 17 तथा 21 से 26 पदों को छोड़ कर) और जायसी (नख–शिख को छोड़ कर) के संकलित अंश की व्याख्या एवं आलोचना।

इकाई – II

सूरदास (संयोग श्रृंगार – 1 से 6 को छोड़कर, वियोग वर्णन – 13 से 25 छोड़कर।)

तुलसीदास (सुंदरकाण्ड–21 से 22 छोड़कर, लंका काण्ड 23 से 27 छोड़कर) ओर रसखान (26 से 52 तक के पद छोड़ कर) के संकलित अंश की व्याख्या एवं आलोचना। उपर्युक्त अंशों को छोड़कर शेष अंश ही स्वीकृत माने जाएँ।

इकाई – III

सुंदरदास (गुरु दया षटपदी 1 से 2 पद छोड़कर, त्रिभंगी छंद 1 से 13 पद) छोड़कर, अथ आत्मा अचल अष्टक 1 से 8 पद छोड़कर, मन – 18,19 वाणी का महत्त्व–20,

भजन न करने वाले–21, 22 पदों को छोड़कर ही शेष अंश स्वीकृत माने जाएँ) मीरा बाई (पद संख्या – 32 से 46 को छोड़कर शेष अंश) के संकलित अंश की व्याख्या एवं आलोचना।

ढोला मारू रा दूहा की व्याख्या एवं आलोचना (1 से 109 तक को छोड़कर) शेष अंश, 184 से 211 तक को छोड़कर शेष अंश)

इकाई – IV

नहुष की व्याख्या एवं आलोचना।

भक्ति काव्य धारा का परिचय।

शब्द शक्ति परिचय